दण्ड के उद्देश्य

Major Objectiv of Punishment

प्रस्तुतकर्ता

डॉ. सुषमा शर्मा

सहा. प्राध्यापक – समाजशास्त्र

डी.पी. विप्र महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

विषय	पृष्ठ संख्या

- दण्ड का अर्थ २
- दण्ड की परिभाषा २
- दण्ड के प्रमुख तत्व ३
- दण्ड के उद्देश्य ४

दण्ड का अर्थ –

समाज में व्यवस्था बनाये रखने वाले आधारभूत तत्वों में एक महत्वपूर्ण तत्व दण्ड है।

दण्ड का आशय उस शारीरिक–मानसिक आर्थिक कष्ट से है जो कोई व्यक्ति समाज द्वारा निर्देशित किसी कार्य को न करने अथवा समाज द्वारा वर्जित किसी कार्य को करने के परिणामस्वरुप भुगतता है ।

दण्ड की परिभाषा –

सेथना के अनुसार – "दण्ड एक प्रकार की सामाजिक निंदा है और इसमें आवश्यक नहीं है। कि पीड़ा या कष्ट सम्मिलित हो ।"

वेस्टरमार्क के अनुसार – "दण्ड उस उत्पीड़न तक सीमित है जो किसी अपराधी को, एक निश्चित तरीके में, उस समाज के द्वारा या समाज के नाम में पहुंचाया जाता है, जिसका वह स्थायी या अस्थायी सदस्य है ।"

दण्ड के प्रमुख तत्व –

१. नियम के उल्लंघन पर दण्ड

२. उल्लंघनकर्ता को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक या सामाजिक कष्ट दिया जाता है

३. यातना दी जाती है

४. सदैव सोद्देश्य होता है

दण्ड के प्रमुख उद्देश्य –

१. अपराधी का सुधार

२. अपराध का विरोध

३. अपराधी द्वारा की गई क्षति पूर्ति

४. पश्चाताप एवं प्रायश्चित का अवार प्रदान करना

५. सामाजिक व्यवस्था के स्थायित्व व परिवर्तन को सुगम बनाना

दण्ड के प्रमुख उद्देश्य –

आचार्य कौटिल्य के अनुसार-

१. निर्बलों की बलवानो से रक्षा
२. दण्ड के द्वारा ही राजा अपने कर्तव्यों में सफल होता है
३. यह लोक जीवन को सुगम बनाता है
४. सभी वर्गो को अपने धर्मानुसार पालन करने को प्रेरित करना है, दण्ड ।
५. सभी विद्याओं का मूल आधार दण्ड है ।